मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

माह : मई 2025

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

01/05/2025 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

जगन्नाथ पुरी मन्दिर

बहन सुभद्रा, बलराम भाई संग,
भगवान जगन्नाथ हैं विराजमान।
इसी कारण से पुरी, उड़ीसा तट,
भक्तिमय होकर हुआ महान।।

अनोखी मूर्ति भगवन की विशेष,
एक पेड़ से बनाई जाती है।
सभी धर्म जाति के लोगों द्वारा,
प्रचलित रथयात्रा कराई जाती है।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

काशी विश्वनाथ मन्दिर

वाराणसी गंगा के पश्चिमी तट पर,
स्थित है काशी विश्वनाथ मंदिर।
भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से,
एक है काशी विश्वनाथ मंदिर॥

वाराणसी को प्राचीन काल में,
काशी के नाम से जाना जाता था।
मंदिर के मुख्य देवता को,
श्री विश्वनाथ के नाम से जाना जाता है॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

अमरनाथ

जहाँ शिव ने पार्वती को,
अमरत्व के रहस्य बताये।
अमरनाथ स्थान है ऐसा,
जो तीर्थों का तीर्थ कहलाये।।

पवित्र गुफा में बर्फ से,
शिवलिंग बन जाता है।
जो श्रद्धालु जाये वहाँ पर,
वो स्वयं धन्य हो जाता है।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

सोमनाथ मन्दिर

शिवजी के बारह ज्योतिर्लिंगों में,
पहले नम्बर पर आता सोमनाथ।
कई बार पुनर्निमाण करके,
बनवाया गया है मन्दिर सोमनाथ।।

गुजरात का इस समय का मन्दिर,
सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बनवाया।
इस मन्दिर की कीर्ति फैली इतनी,
श्रद्धालुओं को दूर दूर से है बुलवाया।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

बाल साहित्य सृजन

1

दिल्ली घूमें

पापा जी, दिल्ली घुमाकर लाओ,
लाल किला, इण्डिया गेट दिखा लाओ।
लोटस टेंपल में भी हमें लेकर जाना,
ज़ामा मस्जिद की भी सैर कराना।।

अक्षरधाम मन्दिर भी हम देखेंगे,
चाँदनी चौक के बाजार में घूमेंगे।
देवी के छतरपुर मन्दिर में जाना है
और इस्कॉन मन्दिर भी दिखाना है।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कमपोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

चिड़ियाघर

चिड़ियाघर घूमने की,
देखो अब बारी आयी है।
दोस्तों संग घूमने की,
सबने कर ली तैयारी है।।

चिड़ियाघर की सैर करना,
हम सबको अच्छा लगता।
रंग-बिरंगे पशु-पक्षियों को,
देखना हमें अच्छा लगता।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

ताजमहल

पापा हम घूमने जायेंगे,
आगरा का ताजमहल।
विश्व के सात आश्चर्य में,
से एक है ताजमहल।।

सफेद संगमरमर से बना है,
आगरा का ताजमहल।
बहुत ही सुन्दर पर्यटक स्थल है,
आगरा का ताजमहल।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

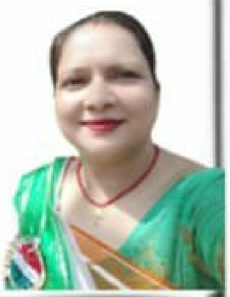

4

पर्यटन

आओ चलें दुनिया देखे,
देखो कितना सुन्दर जहाँ।
कहीं है रमणीक वादियाँ,
कही है खुला आसमान।।

देखो ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ,
समुद्रों मे छिपे अनमोल रत्न।
प्रकृति का अद्भुत श्रृंगार,
सब मिलकर बनाते है पयर्टन।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

03.05.2025

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

सोमनाथ

सोमनाथ की अद्भुत माया,
शक्तिपुंज शिवलिंग में समाया।
चंद्रदेव निर्मित मन्दिर यह,
अरब सागर के बीच बसाया।।

आक्रमण सारे इसने सहा है,
भव्य स्वरूप इसका रहा है।
कपिला,हिरन,सरस्वती संगम,
हिन्दू जीवन,हिन्दू तन मन।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी (रुद्रपुर),
गोरखपुर

2

रामेश्वरम

तमिलनाडु के रामनाथपुरम,
में शंख आकार का द्वीप।
बारह ज्योतिर्लिंग में शामिल,
है दक्षिण भारत का तीर्थ।।

लंका विजय से पहले,
श्रीराम ने की स्थापना।
हिन्द महासागर और,
बंगाल की खाड़ी से घिरा तीर्थ

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

बद्रीनाथ

भगवान विष्णु की छवि है प्यारी,
बद्रीनाथ धाम की महिमा निराली।
उत्तराखंड के चमोली में है विराजमान,
यह हिंदू मंदिर है बड़ा आलीशान।।

वैष्णो के लिए समर्पित यह मंदिर,
अलकनंदा नदी पर स्थित यह मंदिर।
अप्रैल से नवंबर माह तक खुलता मंदिर,
चमोली के गढ़वाल ट्रैक पर शोभित मंदिर।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
क० वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर

4

जगन्नाथ

हिन्दू धर्म के चार धाम में से,
एक माना जाता है जगन्नाथ मंदिर।
ओडिसा राज्य के पुरी शहर में,
स्थित है जगन्नाथ मंदिर।।

जगन्नाथ जी विष्णु जी के अवतार,
श्रीकृष्ण जी का एक रूप है।
मंदिर में जगन्नाथ जी के साथ,
बलभद्र और सुभद्रा जी के स्वरूप हैं।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद
- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - मिशन शिक्षण संवाद - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -
05-05-2025 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

हमारी दिल्ली

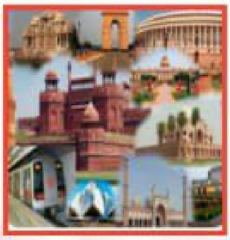

सबसे प्यारी हमारी दिल्ली,
है राजधानी हमारी दिल्ली।
रंग-बिरंगी सजीली दिल्ली,
भारत का दिल हमारी दिल्ली।।

लाल किला और कुतुब मीनार,
प्रसिद्ध है दिल्ली में अमृत उद्यान।
चिड़ियाघर और संसद भवन,
दिल्ली का प्रसिद्ध राष्ट्रपति भवन।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

2

ओरछा धाम

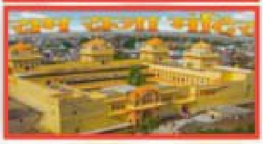

धाम ओरछा मिनी अयोध्या,
कहलाती, लाला हरदौल।
वहीं विराजे, बैठक उनकी,
राजमहल हैं सुन्दर हॉल।।

देश-विदेशों से नर-नारी
आते झाँसी परिवार समेत।
करते दर्शन राम-लला के,
जीवन पुण्य, जन्म फल लेत।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी

3

परीक्षितगढ़

राजा परीक्षित की नगरी,
किला परीक्षितगढ़ है नाम।
गान्धारी करती यहाँ पूजा,
पड़ा सरोवर उनके नाम।।

श्रृंग ऋषि का यहाँ आश्रम,
माँ कात्यायनी का पावन धाम।
हस्तिनापुर को जाते हुए,
श्रीकृष्ण ने किया यहाँ विश्राम।।

रचना
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4

वृन्दावन धाम

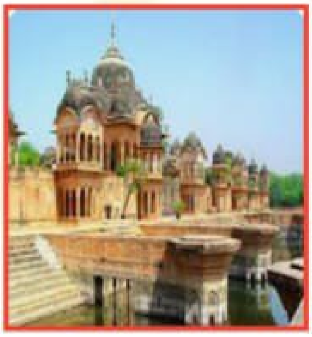

श्री वृन्दावन धाम की,
महिमा अपरम्पार।
बिना श्री राधा कृपा के,
कोई ना पावे पार।।

क्रीड़ा भूमि भगवान की,
सारे जग की शान।
भक्तों को देते दरस,
बाँकेबिहारी भगवान।।

रचना
बृजराज सारस्वत (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

बाल साहित्य सृजन

1

उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड कहें या उत्तराञ्चल,
प्राकृतिक सौन्दर्यता से पूर्ण।
गंगा, यमुना का उद्भव स्थल,
तीर्थ, स्थल में यह महत्वपूर्ण।।

हिन्दी, संस्कृत यहाँ राजभाषाएँ,
बोलचाल में कुमाउँनी, गढ़वाली।
यहाँ पर मिलते झरने, ग्लेशियर,
सुन्दर नदियाँ बहती मतवाली।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

2

हिमालय

भारत के उत्तर में स्थित,
प्राकृतिक अनूठा पर्वत ऊँचा।
भारत का सरताज कहलाए,
वन औषधियों से भरा समूचा।।

गोमुख-गंगोत्री का अद्भुत सौन्दर्य,
यमुनोत्री पर गरमकुण्ड अद्भुत।
चारों-धाम स्थित हिमालय पर,
समीप में अमरनाथ गुफा स्थित।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3

गंगोत्री

हिन्दुओं के पवित्र तीर्थ स्थल में,
गंगोत्री धाम है आता।
उत्तरकाशी जिले का,
प्रसिद्ध पर्यटक-स्थल कहलाता।।

प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक आते,
गोमुख का दर्शन करते।
गंगा, नदी में स्नान करके,
सफल अपना जीवन करते।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

4

यमुनोत्री

उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी,
जिले में है यमुनोत्री।
यही है वह स्थान जहाँ से,
यमुना नदी है निकलती।।

यहाँ पर स्थित सूर्यकुण्ड,
गरम पानी का है स्रोत।
और यहाँ यमुनोत्री मन्दिर,
छटा है इसकी देखो अदभुत।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

07/05/2025

बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

जंगल सफारी

पर्यटन मे जंगल सफारी करना,
मन को रोमांचित कर देता है।
मन को नये अनुभव से सराबोर कर,
एक सुखद ताजगी प्रदान करता है।।

किसी खतरनाक जानवर का होना,
मन को भयभीत भी कर देता है।
यहाँ प्रकृति के समीप रहने का भी,
अपना एक सुखद एहसास होता है।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

बर्फीली वादियाँ

ऊँची-ऊँची पहाड़ी चोटियां,
बनी हुई है बर्फीली वादियाँ।
देखने में मनमोहक लग रही हैं,
आकर्षित अपनी ओर कर रही हैं।।

पहुंच गए बर्फीली वादियों में,
खूब फोटो शूट किए कमरे में।
हाथ में उठाया बर्फ का गोला,
एक दूसरे की ओर फेंका मजा आया।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

पहाड़ी की सैर

करके पहाड़ों की सैर,
ठण्डक का एहसास लगता।
पहाड़ों को देखकर,
मन खुश हो जाता।।

ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर,
बच्चे दौड़ कर चढ़ जाते।
पहाड़ों पर घूमकर,
दृश्य उसके मन में बस जाते।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

जल विहार

जल विहार मे पर्यटन करना,
मन को बहुत भा जाता है।
दिल को सुकून आराम देता,
खुशनुमा एहसास आ जाता है।।

बतखों को स्वच्छंद विचरना,
आजादी का एहसास कराता है।
जल विहार मे जल क्रीडा करना,
सुखद एहसास करा जाता है।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

08/05/2025

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

जगन्नाथ धाम

भाई-बहन को समर्पित धाम,
जगन्नाथ मंदिर है उसका नाम।
उड़ीसा राज्य के पुरी में स्थित,
रथयात्रा उत्सव जाने जग आम।।

चार धाम के तीर्थ में है एक स्थान,
विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा से है पहचान।
स्प्रूस की लकड़ी से बनते हैं जगन्नाथ,
दक्षिणी पूर्व कोने का एमार मठ है महान।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

सोमनाथ मंदिर

गुजरात के पश्चिमी तट पर,
स्थित है सोमनाथ मंदिर।
भगवान शिव को समर्पित है,
गुजरात का सोमनाथ मंदिर॥

रेडियोधर्मी गुण के कारण,
प्रसिद्ध है सोमनाथ मंदिर।
हिरण, कपिला और सरस्वती,
नदियों का संगम है सोमनाथ मंदिर॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

गंगा-मैय्या

साफ-स्वच्छ, कितना निर्मल,
करता सबको ही ये शीतल।
पावन इस जैसा ना कोई,
ये है गंगा मैय्या का जल।।

हर की पौड़ी पर जब जाते,
सुनती लहरों की कल-कल।
गंगा माँ की सुन के आरती,
विह्वल मन हो जाता सरल।।

पारुल चौधरी (स·अ·)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

वृंदावन

राधा कृष्ण की पावन धरती,
मोह लेता है सबका मन।
श्री राधे की गुंजन होती,
राधे-राधे बोले है वृंदावन।।

राधा रानी का है मंदिर सुंदर,
कृष्ण लीला की धारा है पवन।
प्रेम मंदिर, निधिवन, अक्षय पत्र,
विष्णु पुराण के प्रसंग जाने जन।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

बाल साहित्य सृजन

1

गेटवे ऑफ इण्डिया

कभी अगर तुम मुम्बई जाना,
गेटवे ऑफ इण्डिया देखकर आना।
सुबह सवेरे तुम जल्दी उठकर,
शांत वातावरण का आनंद उठाना।।

दक्षिणी मुम्बई में समुद्र तट पर,
1924 में ये स्मारक बनाया गया।
यह मुम्बई का प्रमुख पर्यटन स्थल,
मुम्बई का ताजमहल पुकारा गया।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कमपोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

लाल किला

हम सब घूमने जायेंगे,
लाल किला को देखेंगे।
जब दिल्ली घूमने जायेंगे,
इसकी खूबसूरती देखेंगे।।

शाहजहाँ द्वारा निर्मित,
यह ऐतिहासिक किला है।
विश्व धरोहर के रूप में,
लाल किला सुशोभित है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

कुतुब मीनार

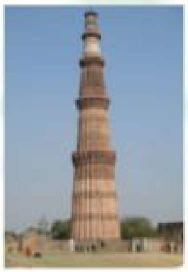

विश्व की प्राचीन ऐतिहासिक,
धरोहर में शामिल है कुतुब मीनार।
कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाई,
गयी दिल्ली की कुतुब मीनार।।

लाल बलुआ पत्थर से,
बनाई गई है सुन्दर मीनार।
दिल्ली की महरौली में,
स्थित है कुतुब मीनार।।

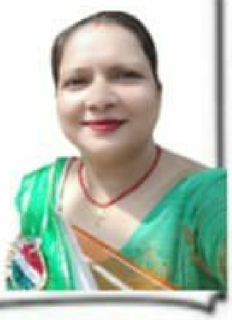

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

ताजमहल

आगरा में यमुना के तट पर,
स्थित है ताजमहल।
मुगल सम्राट शाहजहाँ ने बनवाया,
मुमताज की याद में ताजमहल।।

वास्तु कला का उत्कृष्ट नमूना,
दूसरा अजूबा है ताजमहल।
कलाकृति से पर्यटकों को लुभाता,
प्यार की अद्भुत मिसाल है ताजमहल।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

10/05/2025

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

श्री नगर

सुकून सा दिन खूबसूरत शाम,
सिन्दूरी सुबह मोहक तमाम।
कल-कल छल-छल झरने तमाम,
मह-मह महके दिन आठों याम।।

अद्भुत जिसकी है हरियाली,
श्रीनगर की शोभा मतवाली।
वर्फों से ढकी हर एक डाली,
पूरब से पश्चिम तक लाली।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी (रुद्रपुर),
गोरखपुर

2

बिनसर

बिनसर का अर्थ है नई सुबह,
उत्तराखंड की खूबसूरत जगह
है मनोरम प्राकृतिक स्थल,
रानीखेत अल्मोड़ा में जगह।।

प्रसिद्ध बिनेश्वर महादेव मंदिर,
बिनसर वन्य जीव अभ्यारण्य।
हैं खूबसूरत हिमालयी दृश्य,
स्थापत्य कला का मशहूर मंदिर।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा.वि.टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

जयपुर

ऐतिहासिक नगरी भारत की,
पिंक सिटी जिसको कहते हैं।
राजस्थान का है मुख्य शहर,
जयपुर शहर इसको कहते हैं।।

जन्तर मन्तर, हवा महल,
आमेर का किला सबको भातें हैं।
पर्यटन उद्योग है रीढ़ शहर का,
लाखों यात्री भ्रमण प्रतिदिन करते हैं।

रचना-
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली फतेहपुर

4

दार्जिलिंग

पहाड़ो में बसा है दार्जिलिंग प्यारा,
प्रकृति की गोद मे यह शहर न्यारा।
सूरज की किरणें जब पर्वतों को चूमें,
बर्फीली चोटियाँ स्वर्णिम धूप में झूमें।।

कंचनजंघा की चोटी से मुस्कान,
धरती को देती है स्वर्ग सा मान।
चाय के बागानों की मस्त ख़ुशबू,
मधुर अनुभूतियों से करती है रूबरु।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद
· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · मिशन शिक्षण संवाद · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·
12-05-2025 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

बरसाना

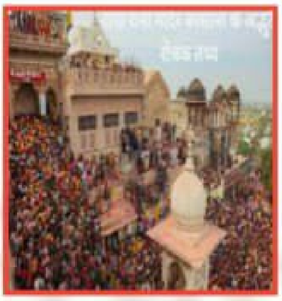

श्री राधा रानी का धाम है,
बरसाना इसका नाम है।
ब्रह्म गिरी पर्वत पर स्थित,
मन्दिर बड़ा सुहाना है।।

श्री राधा जी की कृपा का,
यहाँ पर लुटता रोज खजाना।
दर्शन करके गहवर वन का,
परिक्रमा जरूर लगाना।।

रचना
बृजराज सारस्वत (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

2

दिल्ली का चिड़ियाघर

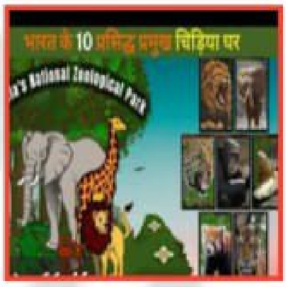

आओ बच्चों! दिल्ली में,
चिड़ियाघर की करेंगे सैर।
सभी जानवर वहाँ मिलेंगे
हाथी, बन्दर, जिराफ, शेर।।

तरह-तरह के पक्षी भी,
चिड़िया, कबूतर, मोर, सफेद।
देसी-विदेशी सभी जानवर,
होते चिड़ियाघर में अनेक।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

3

झाँसी धाम

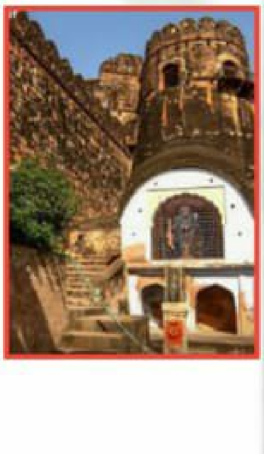

झाँसी किला प्रसिद्ध जगत में,
लक्ष्मीबाई महल देखिए।
मन्दिर महालक्ष्मी जी का,
बरुआसागर किला आइए।।

झाँसी नरेश गंगाधर नृप की,
छतरी है समाधि स्थल।
पारीछा बन्धा, संग्रहालय,
सेंट जूड चर्च शुभ स्थल।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी

4

मेरठ नगर

मय दानव ने इसको बसाया,
इसने नाम मेरठ है पाया।
क्रान्ति धरा है इसको कहते,
खेल के सामान में नाम कमाया।।

नौचन्दी का मेला लगता,
औघड़नाथ का मन्दिर यहाँ।
कैंची नगरी इसको कहते,
नानखटाई है मशहूर जहाँ।।

रचना
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

दिनांक- 13/05/2025

दिन- मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

भूरागढ़ का किला

भूरागढ़ का किला मनभावन,
नटबली का मन्दिर यहाँ पावन।
इतिहास सँजोए अपने अन्दर,
केन नदी का है तट सुन्दर।।

नट और राजा की बेटी के,
प्रेम की है ये निशानी।
लगता विशाल मेला है यहाँ,
चर्चा दूर-दूर तक जानी-मानी।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2

गुप्त गोदावरी

चित्रकूट में स्थित गुफा रहस्यमयी,
राम जी के दर्शन कर गुप्त हो गयी।
नासिक के पास त्र्ययम्बकेश्वर से आयी,
दर्शन की बात पिता को नहीं बतायी।।

नदी ने गुफा में प्रवेश लिया गुप्त,
बाहर निकल तालाब में हुयी लुप्त।
इस पवित्र स्थान में दर्शन करने से,
भक्तों का मन हो जाता है तृप्त।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

3

ब्रज के चारों धाम

गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ,
बद्रीनाथ चारों धाम हैं ब्रज में।
ब्रज चौरासी कोस में ऊँची,
पहाड़ी पर पावन धाम हैं ब्रज में।।

चारों धाम दर्शन करने की इच्छा,
श्रीकृष्ण ने मात-पिता की पूर्ण करने को।
आह्वाहन कर ब्रज में ही बुलाया,
बिराजे भक्तों को आशीर्वाद देने को।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4

निधिवन

रहस्यमयी धार्मिक स्थल,
निधिवन है कहलाता।
वृन्दावन की पवित्र जगहों में,
प्रमुख स्थान माना जाता।।

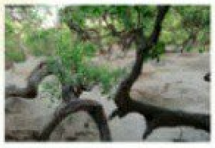

घुमावदार वृक्ष, लताओं की,
शोभा अद्वितीय है लगती।
मध्य रात्रि के समय छवि अनुपम,
श्री राधा, कृष्ण की लगती।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • **मिशन शिक्षण संवाद** • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

14/05/2025

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

नैनीताल

नैनीताल मे है सात ताल,
नैनी झील मे बोटिंग कमाल।
प्राकृतिक सौंदर्य से निहाल,
पर्यटन हो जाते यहाँ लाजवाब।।

नैनीताल की शोभा है निराली,
हरियाली यहाँ की लगती प्यारी।
नैना देवी के भक्त दर्शन करते,
माता का आशीष भक्तजन लेते।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

मसूरी

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए,
मसूरी है जानी जाती।
पहाड़ियों की रानी भी,
मसूरी है कहलाती।।

दूर-दूर से पर्यटक,
यहां खूब घूमने आते।
गन हिल,लाल डब्बा और,
केंम्टी फॉल का लुफ्त उठाते।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

देहरादून

हिमालय पर्वत श्रृंखला में,
देहरादून शहर बसता है।
देहरादून उत्तराखंड राज्य में,
प्रमुख पर्यटन स्थल माना जाता।।

कई राष्ट्रीय संस्थानों का,
देहरादून घर माना जाता।
शिक्षा और संस्कृति का,
प्रमुख स्थान यह माना जाता।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

शिमला

गर्मी की छुट्टी में अबकी हम,
सपरिवार शिमला जाएंगे।
चिन्टू-पिन्कू और मोनू संग,
मौज मस्ती करके आएंगे।।

घुड़सवारी और स्केटिंग का,
आनंद लेकर पहाड़ों में घूमेंगे।
रंग बिरंगे फूल और झील देख,
मनोरंजन का लूफ्त उठाएंगे।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

15/05/2025

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

वृन्दावन

वृन्दावन ऐसा धाम है भाई,
जहाँ बसे हैं कृष्ण कन्हाई।
उत्तर प्रदेश की है धरती,
जहां ये प्रेम नगरी बसाई।।

पांच हजार से अधिक हैं,
छोटे बड़े मन्दिर यहाँ पर।
ऐसा चित्त होता मगन,
हर ओर बसे कान्हा जहां पर।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

बद्रीनाथ मंदिर

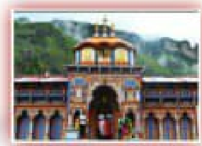

उत्तराखंड के चमोली जिले में,
स्थित है बद्रीनाथ मंदिर।
भगवान विष्णु को समर्पित है,
यह बद्रीनाथ मंदिर॥

शुरुआत में बौद्ध मठ के नाम से,
प्रचलित था बद्रीनाथ मंदिर।
चारों धामों में से एक है,
यह बद्रीनाथ मंदिर॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

अयोध्या

सरयू नदी के तट पर बसा
साकेत जिसका प्राचीन नाम।
अयोध्या मंदिर है प्रसिद्ध
बना जो प्रमुख तीर्थ धाम।।

हिन्दुओं का पवित्र स्थल
दर्शन से बनते हर काम।
ऐतिहासिक स्थल ये ऐसा
जन्मे जहाँ प्रभु श्री राम।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

नैनीताल

प्राकृतिक छटा से करें निहाल,
जगह वह बसता है नैनीताल।
पर्यटन है यहाँ प्रमुख उद्योग,
झीलों में वोटिंग होता कमाल।।

उत्तराखंड में बसे हरियाली
नैनीताल जगह है मतवाली।
नैना देवी का प्रमुख हैं मंदिर,
मॉल रोड,, हनुमानगढ़ी सुंदर।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - मिशन शिक्षण संवाद - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

16/05/2025

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी है लखनऊ,
गोमती नदी के तट पर बसा लखनऊ।
तहज़ीब और नबाबों का यह शहर,
ऐतिहासिक इमारतों से भरा है लखनऊ।।

कला केंद्र,सांस्कृतिक विरासत है लखनऊ,
चिकनकारी के लिए प्रसिद्ध है लखनऊ।
छोटा, बड़ा इमामबाड़ा, अमीना बाजार,
और अम्बेडकर पार्क से सजा है लखनऊ।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कमपोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

प्रयागराज

गंगा-यमुना-सरस्वती के,
संगम पर प्रयागराज है।
हिन्दू धर्म ग्रन्थों में वर्णित,
तीर्थों का यह राजा है।।

कुम्भ मेले का आयोजन,
यहाँ पर किया जाता।
ऐतिहासिक तीर्थस्थानों का,
भ्रमण यहाँ किया जाता ।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

वाराणसी

गंगा नदी के किनारे स्थित,
ऐतिहासिक नगर है वाराणसी।
भारत देश की प्राचीन संस्कृति,
को दर्शाता है वाराणसी।।

प्राचीन मन्दिरों और घाटों का,
नगर कहलाता है वाराणसी।
आस्था का प्रमुख केंद्र,
कहा जाता है वाराणसी।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

दिल्ली

देश की राजधानी है दिल्ली,
पर्यटन स्थलों की है खान।
कुतुबमीनार, लालकिला आदि,
देश की बढ़ाते हैं शान।।

बच्चों को भाता चिड़ियाघर,
जीव-जन्तुओं का है घर-संसार।
वास्तुकला और कलाकृतियों से,
सजे रहते है हरदम बाजार।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

अयोध्या

सरयू का किनारा है,
पावन हर द्वारा है।
है राम की जनम भूमि,
कण-कण हरिद्वारा है।।

तीर्थों में श्रेष्ठ भूमि,
साकेत की सीमा है।
हरि वास की ये भूमि,
व्यापक गरिमा है।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी (रुद्रपुर),
गोरखपुर

2

मथुरा

श्रीकृष्ण जन्मस्थान है मथुरा,
कुषाण राजवंश की राजधानी।
प्राचीन नाम इसका है मधुवन,
धार्मिक पर्यटन स्थल है मथुरा।

उत्तर प्रदेश का जिला है मथुरा
उपजाऊ जमीन वाला मथुरा।
प्रसिद्ध कृष्ण लीलायें व मंदिर,
कपास के लिये प्रसिद्ध मथुरा।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा. वि. टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

अवंतिका

मध्य प्रदेश का है प्रमुख नगर,
अवन्तिका जिसको कहते हैं।
शिप्रा नदी पर बसा यह शहर,
कालिदास की नगरी भी कहते हैं।।

महाकाल की यह नगरी ,
12 ज्योतिर्लिंगों में से है एक।
सिंहस्थ कुम्भ मेला 12 वर्षों में,
पांच नगरों में से है उज्जैन एक ।।

रचना-
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली फतेहपुर

4

काशी

काशी को बनारस भी कहते हैं,
गंगा, सत्य और शिव यहाँ रहते हैं।
घाटों में रौनक हर शाम होती है,
गंगा आरती मन को शान्ति देती है।।

संस्कृति और अध्यात्म का,
अद्वितीय केन्द्र है काशी।
कण-कण में शिव और हर लहर में,
अविनाशिता की अनुभूति है काशी।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

बाल साहित्य सृजन

1

उत्तर प्रदेश

उत्तर-प्रदेश राज्य हमारा,
जन-सम्पदा अपार है।
पर्यटन स्थलों की यहाँ,
सब जगह खूब भरमार है।।

बनारस, अयोध्या धाम यहाँ,
आगरे का है लाल किला।
गोरखपुर, मथुरा-वृन्दावन,
श्रीकृष्ण, राम का साथ मिला।।

रचना
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

मथुरा

भगवान कृष्ण की जन्म-भूमि,
यह तीनों लोकों से न्यारी है।
यमुना जी के तट पर स्थित,
यह नगरी अति प्यारी है।।

दिव्य मन्दिर श्री द्वारकाधीश का,
सबके मन को भाता है।
विश्राम घाट पर जाकर प्यारे,
आनन्द सभी को आता है।।

रचना
बृजराज सारस्वत (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

3

बागपत

छोटा-सा यह जिला बागपत,
उत्तर प्रदेश का एक जिला।
यमुना नदी के किनारे बसा,
हरित प्रदेश कहलाता जिला।।

पुरा महादेव प्रसिद्ध मन्दिर,
सावन मास में लगता मेला।
है प्रसिद्ध लाक्षागृह यहाँ,
बड़ागाँव, जैन मन्दिर-सा कहाँ।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

4

मऊ के जल-विहार

हैं प्रसिद्ध सारे प्रदेश में,
भादों में हो छटा सुहानी।
जो, मऊरानीपुर दर्शन करते,
लख विमान, बनते दानी।।

इस मौके पर सर्कस लगता,
खेल-खिलौने, नौटंकी।
सभी तरह की होंय दुकानें,
जो लेना हो, लो मन की।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी

बाल साहित्य सृजन

1

पर्यटन स्थल

धार्मिक, ऐतिहासिक इमारतें,
पर्यटन स्थल में है आते।
रोचक और मनोरंजन हेतु,
पर्यटकों को खूब लुभाते।।

प्राकृतिक स्थल की शोभा,
पर्यटन स्थल का केन्द्र होती।
शिक्षा और धर्म का प्रतीक,
पर्यटन को बढ़ावा देती।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

2

परिवेशीय ज्ञान

रहते या घूमने जाएँ कहीं,
बन जाता परिवेश वहीं।
आस-पास की हर एक चीज,
कहलाती है परिवेशीय।।

पेड़-पौधे या जीव-जन्तु,
नहर, तालाब, कोई वस्तु।
ज्ञान सबका बहुत जरूरी,
रखो सदा जानकारी पूरी।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

3

यातायात माध्यम

कभी कहीं जब घूमने जाओ,
यातायात का पता लगाओ।
सही न होगा अगर यातायात,
बिगड़ जाएगा सारा अनुपात।।

स्थल तक किस साधन से जाना,
उसके मूल्य का भी पाता लगाना।
रेल, बस, पर्यटन स्थल तक जाए,
तभी सफर आनन्दमय हो जाए।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4

ठहरने का स्थान

जहाँ घूमने कभी जाना हो,
वहाँ की पूरी जानकारी हो।
मुख्य जगहों पर ठहरना, भोजन,
सुरक्षा और सुविधा सारी हो।।

ऋतु अनुसार हों कपड़े-विस्तर,
मन उत्साहित भारी हो।
स्वतन्त्रता से घूमें-फिरें हम,
मन अनुकूल सवारी हो।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

21/05/2025

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

ऊटी

सुन्दर वादियों से भरा स्थान,
ऊटी नाम से मिली पहचान।
तमिलनाडु राज्य में है स्थान,
ऊटी ने बढायी हैं राज्य की शान।।

पर्यटन के लिए यह जाना जाता,
प्रसिद्ध स्थानों के लिए माना जाता।
पहले इसका नाम उदगमंडल होता,
बहुत रोमांचक खेलों से जाना जाता।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

दार्जिलिंग

दार्जिलिंग पर्वतीय स्थल है,
पश्चिम बंगाल का एक नगर कहलाता।
ऊँची-ऊँची चोटी पहाड़ियों की,
चाय का यह गढ कहलाता।।

अंग्रेजों ने इसे बसाया,
सर्दी का खूब लुप्त उठाया।
पर्यटकों को आकर्षित करते,
मनमोहक स्थल व चाय के बगीचे। ।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

कश्मीर

प्राकृतिक सुन्दरता का,
स्थान कश्मीर माना जाता।
धरती का स्वर्ग,
कश्मीर को पुकारा जाता।।

बर्फ से ढके पहाड़,
इसकी खूबसूरती को बढ़ाते।
झीलें,घास के मैदान,
मन को मनमोहक लगते।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

मनाली

भारत के पर्यटन स्थलों में,
मनाली का है प्रमुख स्थान।
ऊँची-ऊँची पहाड़ी देखने,
पर्यटक करते यात्रा विमान।।

कुल्लू घाटी में स्थित यह,
प्राकृतिक सुंदरता का प्रमाण।
नदियां, जंगल और घाटियां,
आकर्षित कर भरती जीवन प्राण।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

नैनीताल

उत्तराखण्ड में है झील,
शान्त और रमणीय।
नैनी नाम है जिसका,
है बहुत ही लोकप्रिय।।

नौका विहार के साथ,
होती अन्य गतिविधियां।
चलो घूम आयें एक बार,
हैं गर्मियों की छुट्टियाँ।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

शिमला

उत्तर भारत के सबसे लोकप्रिय,
हिल स्टेशन में से एक है शिमला।
"पहाड़ों की रानी" नाम से भी,
मशहूर शहर है शिमला।।

भारत में ब्रिटिश राज की,
ग्रीष्मकालीन राजधानी रही है शिमला।
मॉल रोड,जाखू मंदिर पर्यटक स्थलों,
के लिए जाना जाता है शिमला।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

सैर सपाटा

चलो बच्चों चले घूमने,
खेत और खलिहानो में।
हरी-भरी लहराती फसलें,
और सुनहरे धानों में।।

लेकिन घूमने के चककर में,
पढ़ना भूल न जाना तुम।
सैर-सपाटे पर जाकर भी,
अनुभव कुछ ले आना तुम।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

अयोध्या मन्दिर

सरयू के तट पर बसा,
पावन हरि का धाम।
कण-कण में है राम बिराजे,
नाम है अयोध्या धाम।।

प्राचीन 'कौशल' की राजधानी,
'साकेत' कहती जनता आम।
श्रीराम की जन्मभूमि यहाँ,
राममंदिर बना अलौकिक धाम।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

23/05/2025

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

कोलकाता

हुगली नदी के पूर्वी किनारे,
बसा हुआ है कोलकाता।
भारत के पश्चिम बंगाल राज्य,
की राजधानी है कोलकाता।।

नट-बोल्ट बिना खड़ा हावड़ा ब्रिज,
है कोलकाता की पहचान।
विक्टोरिया मैमोरियल,काली मंदिर,
और बेलूर मठ हैं इसकी जान।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कमपोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

लखनऊ

नवाबों के शहर के रूप में,
लखनऊ को जाना जाता है।
नजाकत और अदब के लिए,
यह शहर पहचाना जाता है।।

उत्तर प्रदेश की राजधानी,
सुन्दर विरासतों का प्रतीक है।
सांस्कृतिक राजधानी के लिए,
यह शहर विश्व विख्यात है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

झाँसी

बुन्देलखण्ड का प्राचीन नगर,
कहलाता हमारा झाँसी।
प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर को,
अपने में समेटे है झाँसी।।

रानी लक्ष्मीबाई के पराक्रम,
की गौरव गाथा गाता झाँसी।
बुन्देलों की वीरता का,
परचम लहराता है झाँसी।।

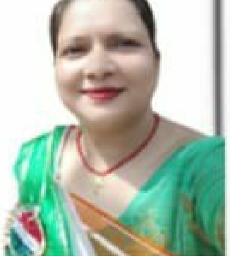

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर,
जिसका अर्थ है जीत का नगर।
पत्थरो से बने किले, हवेलियाँ,
कहलाता है गुलाबी नगर।।

पर्यटकों को लुभाती कलाकृतियाँ,
सिटी पैलेस, हवामहल, जंतर-मंतर।
पधारो म्हारे देश सा स्वागत,
प्रसिद्ध है गोविन्द देवजी मन्दिर।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

24.05.2025

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

गोवा

प्रकृति का है खूब नजारा,
स्वर्ग रश्मियों ने है संवारा।
हरियाली है दूर तलक यूं,
सागर तट का फैला किनारा।।

मांडवी नदी सुन्दर सा क्रूज,
अद्भुत सौन्दर्य प्रकृति अबूझ।
शान्ति और पर्यटन का स्वरूप,
सागर तट दृश्य है अनूप।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी (रुद्रपुर),
गोरखपुर

2

अंडमान निकोबार

भारत के दक्षिण पूर्व में,
हिन्द महासागर में स्थित।
एक केन्द्र शासित प्रदेश,
अंडमान निकोबार द्वीप समूह।

पांच सौ बहत्तर द्वीप इसमें,
लोग रहते हैं अड़तीस में।
राजधानी है पोर्टब्लेयर,
गठन 1नवम्बर1956 में।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा. वि. टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

दमन और द्वीप

दूर समंदर की लहरों में,
छुपा है एक सुनहरा सपना।
दमन और दीव की धरती,
लगती है जैसे स्वर्ग अपना।

शांत हवाएं, नीला पानी,
सजता है हर एक किनारा।
गौरवशाली संस्कृति यहाँ की,
मिलती है प्रेम से हर एक धारा।।

रचना-
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली फतेहपुर

4

लक्ष्यद्वीप

भारत का सबसे छोटा,
केन्द्रशासित प्रदेश है लक्ष्यद्वीप।
अरब सागर में स्थित,
द्वीपों का समूह है लक्ष्यद्वीप।।

लक्ष्यद्वीप को अपनी,
सुन्दरता के लिए जाना जाता है।
पर्यटन को यहाँ की अर्थव्यवस्था का,
मुख्य आधार माना जाता है।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

बाल साहित्य सृजन

1

दतिया की पीताम्बरा

पीत वस्त्र, पीले आभूषण,
पहने पीताम्बरा माता है।
पीला लगे भोग इसे हर दिन,
जग इनके गुण गाता है।।

दतिया में साकार विराजी,
अद्भुत छटा निराली है।
एक रुप से जिला छतरपुर,
में थित, सिंह सवारी है।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी

2

उज्जैन

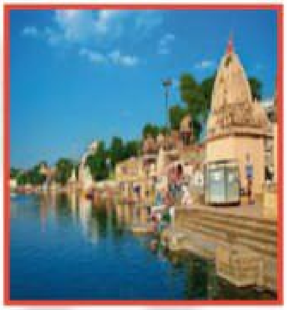

महाकाल की नगरी है,
राजा जिसके महाकाल हैं।
रक्षा करते है सबकी,
बनकर स्वयं ढाल है।।

साथ मिला काल भैरव का,
मध्य प्रदेश की नगरी को।
नाम लो महाकाल का,
घूमो सारी नगरी को।।

रचना
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

बृज के रसिया

बृज के रसिया बड़े रसीले,
गाते इनको छैल छबीले।
इनमें प्रभु की लीला गाते,
सबको हरि का नाम सुनाते।।

गाँव-गाँव में रसिया टोली,
मीठे पद हैं खड़ी है बोली।
जगह-जगह पर रसिया दंगल,
सुनकर होता सब का मंगल।।

रचना
बृजराज सारस्वत (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

4

अयोध्या धाम

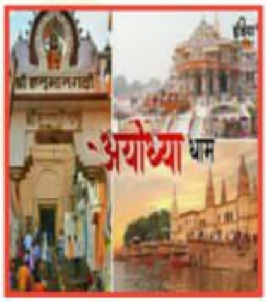

श्री राम की जन्म भूमि,
मन्दिर अयोध्या धाम।
सरयू नदी बहती जहाँ,
प्रसिद्ध अनेक स्थान।।

जानकी महल, दशरथ महल,
हनुमानगढ़ी का मन्दिर।
सरयू घाट, लता मंगेशकर चौक,
बहुत खास है शिव मन्दिर।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - **मिशन शिक्षण संवाद** - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

27/05/2025

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

ऐतिहासिक स्थल

मुख्य पर्यटन स्थल देखो,
जहाँ घूमने जाते हो।
नवीन और प्राचीन संस्कृति,
धरोहर देश की पाते हो।।

कारीगरी इमारत पर देखो,
कुशल श्रमिक ने की अच्छी।
सेवा और समर्पण उनका,
भावना देश हित में सच्ची।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2

मुख्य भोजन

पर्यटन स्थल का मुख्य भोजन,
भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करता।
लोकप्रिय भोजन को ही,
मुख्य भोजन का स्थान मिलता।।

मालपुआ, पेड़ा, रबड़ी, लिट्टी-चोखा,
पर्यटन स्थलों में खूब मिलता।
स्थल की संस्कृति से अतिथियों को,
वहाँ पर स्वादिष्ट भोजन मिलता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय राजपुर
मथुरा, मथुरा

3

मुख्य बाजार

हर शहर, नगर और गाँव की,
होती है कोई वस्तु खास।
कहीं का खाद्य-पदार्थ खास,
और होता प्रसिद्ध कहीं बाजार।।

चाँदनी चौक, मीना बाजार,
दिल्ली की है शान बढ़ाते।
लखनऊ, आगरा, कन्नौज के,
मुख्य बाजार सभी को भाते।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4

फोटोग्राफी

जब कहीं कोई घूमने जाता,
सुन्दर-सुन्दर फोटो खिंचाता।
फोटो वो सबको दिखाता,
सुन्दर दृश्य कैद कर लाता।।

आजकल फोन में सारे,
बेहतरीन फोटो निकाले।
वीडियो, सेल्फी, ग्रुप फोटो,
तुरन्त एक क्लिक में निकाले।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

बाल साहित्य सृजन

1

नागालैंड

भारत के उतर पूर्वी भाग मे,
नागालैंड नाम का राज्य प्यारा।
प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत,
से भरपूर यह राज्य बहुत ही न्यारा।।

कोहिमा,दीमापुर अपनी खूबसूरती,
के लिए अलग ही पहचान रखते।
हार्नबिल महोत्सव मे शामिल होकर,
लोग बहुत ही शान से इसको मनाते।।

रचना
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय
पनेरूवा, अमौली, फतेहपुर

2

सिक्किम

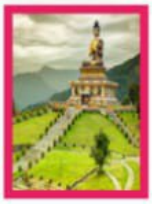

सिक्किम भारत का जैविक राज्य,
हिमालय की गोद में बसा हुआ है,
अद्धितीय प्राकृतिक सौंदर्य यहां,
नेपाल,भूटान,तिब्बत सीमा से लगा हुआ है।

विभिन्न पर्यटक स्थल यहां पर,
पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
देश-विदेश से आकर यहां पर,
आनंद की अनुभूति करते हैं।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना,मेरठ

3

लद्दाख

तिब्बती संस्कृति का प्रभाव,
यहाँ देखने को मिलता।
है यहाँ बौद्ध धर्म का प्रभाव,
ठण्डा रेगिस्तान यह कहलाता।।

प्राकृतिक सुन्दरता के लिए,
लद्दाख को जाना जाता।
विभिन्न एडवेंचर के लिए,
पर्यटक लद्दाख में आता।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा,कानपुर देहात

4

शिलांग

पर्यटन स्थल में शिलांग,
की अपनी ही पहचान है।
हाथी झरना,झील, पार्क,
यहां सिमटा हिन्दुस्तान है।।

मेघालय की राजधानी कहलाती,
खासी भाषा मिठास बहाती।
गर्मी में है मुख्य पर्यटन स्थल,
लोग यहां बिताते सुकुन के पल।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ०प्रा०वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

29/05/2025

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी,
ये कोलकाता कहलाता।
भारत के प्रमुख महानगरों में,
है इसे गिना जाता।।

हुगली नदी के किनारे बसा,
हावड़ा ब्रिज इसकी पहचान।
दक्षिणेश्वर काली दे आशीष,
यहाँ संग्रहालय बढ़ाता शान।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

आगरा

यमुना नदी के तट पर बसा,
सुंदर सा शहर है आगरा।
उत्तर प्रदेश का चौथा सर्वाधिक,
जनसंख्या वाला शहर है आगरा॥

मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा है,
यह मनमोहक शहर आगरा।
ताज नगरी से देश ही नहीं,
विश्वविख्यात है, शहर आगरा॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

मुंबई

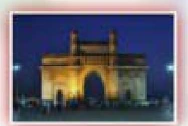

मुंबई शहर है महाराष्ट्र की राजधानी,
उछल कूद करता यहाँ समुन्द्र का पानी।
कहलाता ये भारत का सबसे बड़ा शहर,
इसकी चमक-धमक की है दुनिया दीवानी।।

गेटवे ऑफ़ इंडिया सबके मन को भाए,
जुहू बीच, मेरिन ड्राइव,एलीफेंटा गुफाएं।
हाजी अली दरगाह, सिद्धि विनायक मंदिर,
और फ़िल्म सिटी देख आनंदित हो जाए।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

दिल्ली

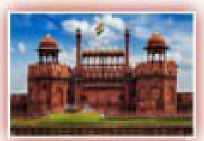

लाल किला, कुतुबमीनार, संसद भवन,
हुमायूं का मकबरा, राष्ट्रपति भवन।
भारत की राजधानी है दिल्ली,
भारतवासी करते है इसे नमन।।

जंतर-मंतर,इंडिया गेट है बहुत खास,
राजघाट पर बापू की समाधि का है वास।
मुगल और लोदी गार्डन की छटा निराली,
चांदनी चौक, कनॉट प्लेस है यहाँ के हाट।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

- आओ हाथ से हाथ मिलाएँ - **मिशन शिक्षण संवाद** - बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ -

30/05/2025 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 चेरापूँजी

मेघालय राज्य में है चेरापूँजी,
सर्वाधिक वर्षा वाला है चेरापूँजी,
झीलों, झरनों, गुफाओं, और
जड़ पुलों की शान है चेरापूँजी।

हरियाली से है भरा चेरापूँजी,
खासी पहाड़ियों में बसा चेरापूँजी,
सेवन सिस्टर्स फाल्स ,गुफाओं,
इको-पार्क से है सजा चेरापूँजी।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कमपोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 बावन इमली

फतेहपुर के खजुहा में,
स्थित है बावन इमली।
बावन बलिदानियों का,
प्रतीक है बाबन इमली।।

इमली का ऐतिहासिक पेड़,
आज भी मूक गवाही देता है।
स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए,
शहीदों की याद दिलाता है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 कालपी

बुन्देलखण्ड की धरती पर बसा,
ऐतिहासिक नगर है कालपी।
महर्षि वेदव्यास की जन्मस्थली,
माना जाता शहर कालपी।।

चौरासी गुम्बद व लंका मीनार,
की स्थली है पावन कालपी।
रानी लक्ष्मी बाई की वीरता को,
भी दर्शाता है शहर कालपी।।

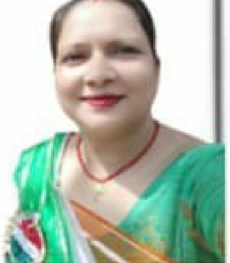

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 बागपत

बागपत है हरियाली धरती,
गौरवशाली इतिहास है पहचान।
लाक्षागृह ऐतिहासिक स्थल,
पुरामहादेव महान तीर्थ स्थान।।

कल-कल बहती यमुना धारा,
कला, संस्कृति यहाँ की शान।
गन्ना, गेहूँ के खेत लहलहाते,
खेतों मे श्रम करता किसान।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

शारदा धाम

मैहर में मां शारदा धाम,
अद्वितीय शोभा अविराम।
ऊंचे त्रिकुट विराजे आराध्या,
मन मोहिनी सूरत अति साध्या।।

वरदानी महादानी मां शारदा,
आल्हा ऊदल जैसी भक्ति कहां?
जो सच्चे दिल से है ध्याता,
सच्चा सुख वैभव पाता।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० उ० प्रा० वि० खजनी (रुद्रपुर),
गोरखपुर

2

वैष्णो धाम

जम्मू कटरा में स्थित है,
माता वैष्णो का दरबार।
माता रानी की आज्ञा है,
तो दर्शन हो हर बार।।

एक सौ आठ शक्तिपीठों में,
मान्यता है वैष्णो धाम की।
त्रिकूटा पर्वत पर पदयात्रा कर,
पहुंचते तेरह किलोमीटर की।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा. वि. टिकरी-मनौटी
खजुहा,फतेहपुर

3

कामाख्या धाम

असम के गुवाहाटी में है धाम,
नाम है इसका कामाख्या धाम।
हिन्दू और तान्त्रिक पूजा करते हैं,
माँ सती का शक्ति पीठ कहते हैं।।

अम्बुवाची पर्व मनाया जाता है
तीन दिन कपाट बंद रहता है
मूर्ति नहीं कुण्ड की पूजा होती है,
माता कामख्या की पूजा होती है।।

रचना-
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली फतेहपुर

4

विंध्याचल धाम

विन्ध्याचल पर्वत की गोद में,
बसा है ये अनुपम धाम।
जहाँ माँ विंध्यवासिनी का,
चारो ओर गूंजे पावन नाम।।

श्रद्धा की हर साँस यहाँ,
लेती माँ का स्मरण।
हर मनोकामना पूर्ण होती,
जहाँ मिलते माँ के दिव्य चरण।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- बृजराज सारस्वत, मथुरा	13- पारुल चौधरी, बागपत
2- भावना शर्मा, मेरठ	14- वन्दना यादव, जौनपुर
3- जुगल किशोर, झाँसी	15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
4- सीमा शर्मा, बागपत	16- ज्योति सागर, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा	17- पूनम नैन, बागपत
6- उमा ठाकुर, मथुरा	18- अमित गोयल, बागपत
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट	19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा	20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
9- आरती यादव, कानपुर देहात	21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
10- इला सिंह, फतेहपुर	22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत	23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
12- माला सिंह, मेरठ	24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम